क्या आप अपना बचपन फिर से जीना चाहेंगे?

जीवन में बाल्यकाल का बहुत बड़ा महत्व होता है। यही वह सीढ़ी है जब बच्चे अनेक तरह के ज्ञान, विज्ञान की चीजें सीखकर समाज के बारे में जानकर जीवन के पथ पर आगे बढ़ते हैं। बाल्यकाल में से की गई चीजें हमें जीवन भर याद रहती है। यदि देखा जाए तो किसी भी मनुष्य का स्तंभ उसका बाल्यकाल होता है। बाल्यकाल में बच्चे दृढ़ निश्चय , अपनी पढ़ाई पूर्ण करते हैं। अपना उद्देश्य निर्धारित करते है और कैरियर को प्राप्त करने के बाद जीवन निर्वाह करते हैं।

बच्चों का जीवन एकदम स्वतंत्र होता है । बचपन में लगता है मानो हम कोई पक्षी है। चिंता मुक्त वातावरण रहता है। ना खाने की चिंता ,ना पीने की चिंता ना पढ़ाई का दबाव, सिर्फ और सिर्फ मनोरंजन में ही सारा समय कट जाता है। बच्चों की एक खास विशेषता यह होती है कि वे खेल- खेल में बहुत कुछ सीख लेते हैं। यही समस्त जीवन काम भी आता है। यदि बाल्यकाल की अवस्था फिर से प्राप्त हो जाए तो मैं हर्ष से गदगद हो जाऊंगी।

कई ऐसी मित्र बाल्यकाल में ही बिछड़ गए जिनके बारे में मुझे पता नहीं है।मेरी उनसे पुनः मुलाकात हो जाएगी। यशवी जिसके साथ में मैं बचपन में खेला करती थी, वह फिर मेरे साथ खेल पायेगी । निश्चित रूप से यह काल मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं होगा। अतः बाल्यकाल का आगमन मेरे लिए बहुत सारी खुशियाँ वापस लेकर आएगी।

अंशिका मोंगा

9C